

डॉ. माइकल हार्बिन, प्राचीन इसराइल में सामाजिक बहिष्कार के लिए सामाजिक न्याय , भाग 1, प्राचीन इसराइल की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

© 2024 माइकल हार्बिन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. माइकल हार्बिन हैं जो प्राचीन इज़राइल में सामाजिक बहिष्कार के लिए सामाजिक न्याय पर अपने शिक्षण में हैं। यह भाग एक है, प्राचीन इज़राइल की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।

शालोम, मेरा नाम माइकल हार्बिन है। मैं टेलर विश्वविद्यालय में बाइबिल अध्ययन का एक प्रोफेसर एमेरिटस हूँ, और मेरी पृष्ठभूमि यह थी कि मैं शिक्षण में जाने से पहले 28 वर्षों तक नौसेना में था, लेकिन इस प्रक्रिया में, मैं पुराने नियम का छात्र बन गया।

मैं यह कहने में संकोच करता हूँ कि मैं एक विद्वान हूँ, लेकिन आज, हम प्राचीन इज़राइल में सामाजिक बहिष्कार के लिए सामाजिक न्याय पर व्याख्यान की एक श्रृंखला देख रहे हैं। पहला पाठ, आज का भाग एक, प्राचीन इज़राइल की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि होगी।

बाइबल परमेश्वर द्वारा दिए गए सिद्धांतों को प्रस्तुत करती है और प्रदान करती है जो सभी संस्कृतियों में सभी लोगों पर हर समय लागू होते हैं। हालाँकि, इनमें से कई सिद्धांतों को उन विशेष संस्कृतियों से निकाला जाना चाहिए जिनमें वे अंतर्निहित थे। जब हम पुराने नियम को पढ़ते हैं, तो हम एक ऐसी संस्कृति देखते हैं जो हमारी संस्कृति से बहुत अलग है।

यह विशेष रूप से ग्रामीण, कृषि प्रधान, कम तकनीक वाला, स्थानीय रूप से उन्मुख और धीमी गति वाला है। हमारा देश काफी हद तक शहरी, उत्तर-औद्योगिक, उच्च तकनीक वाला, वैश्विक रूप से उन्मुख और तेज़ गति वाला है। जबकि हम ईश्वर द्वारा इज़राइल के लिए डिज़ाइन की गई संस्कृति से सिद्धांतों को प्राप्त करने का प्रयास कर सकते हैं और करना चाहिए, हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हम उस संस्कृति को समझें।

उदाहरण के लिए, हम देखेंगे कि प्राचीन इज़राइल के ग्रामीण क्षेत्र आधुनिक दुनिया के ग्रामीण क्षेत्रों से बहुत अलग थे, जिस क्षेत्र में मैं उत्तर मध्य इंडियाना में रहता हूँ। यह विशेष रूप से टोरा या पेंटाटेच के लिए सच है, जहाँ भगवान के सांस्कृतिक दिशानिर्देश पाए जाते हैं। जबकि विद्वान पेंटाटेच की उत्पत्ति पर बहस करते हैं, वे आम तौर पर इस बात से सहमत होते हैं कि यह भूमि से जुड़ी संस्कृति के लिए लिखा गया था।

जोसेफ ब्लेनकिंसॉप का दावा है कि यह "किसान कृषि समाज, कृषि समाज को पूर्वधारणा करता है।" रोलांड डी वॉक्स का तर्क है कि कानूनी सामग्री का उद्देश्य "चरवाहों और किसानों के समुदाय" को नियंत्रित करना था। लेकिन इस विवरण में कुछ बारीकियाँ हैं जो हमें तब तक उलझा सकती हैं जब तक कि हम उस समुदाय की प्रकृति का विश्लेषण न करें।

मैं सुझाव दूंगा कि एक क्षेत्र जिसकी सावधानीपूर्वक जांच की आवश्यकता है वह है रिश्ते। इस अध्ययन में, हम पारंपरिक समझ का पालन करेंगे कि जैसा कि पाठ में प्रस्तुत किया गया है, पेंटाटेच में वह सामग्री जो बताती है कि इस्राएलियों से एक-दूसरे से कैसे संबंध रखने की अपेक्षा की जाती थी, या तो निर्गमन की पुस्तक के अंतिम भाग में माउंट सिनाई और लेवित्स में या संख्या और व्यवस्थाविवरण में कनान की भूमि में यात्रा के दौरान दी गई थी। सामूहिक रूप से, इन सामग्रियों का उद्देश्य राष्ट्र को इस बारे में उन्नत मार्गदर्शन प्रदान करना था कि भूमि में बसने के बाद उन्हें कैसे रहना था।

हालाँकि, जैसा कि निर्वासन के बाद के बाद में दिखाया गया है, मेरा मतलब है, क्षमा करें, पुराने नियम की पुस्तकों के निपटान के बाद, यह संभावना है कि यदि राष्ट्र ने कभी भगवान के दिशानिर्देशों का पालन किया, तो यह केवल आंशिक रूप से और केवल थोड़े समय के लिए किया गया था। पेंटाटेच के पाठ के लिए विद्वानों द्वारा दावा की गई तारीख के बावजूद, वे आम तौर पर सहमत हैं कि यह देर से कांस्य समाज की ओर उन्मुख है। कांस्य औजारों के साथ मिट्टी पर काम करने वाले कृषि समाज और हमारी समकालीन पश्चिमी उत्तर-औद्योगिक संस्कृति के बीच विशाल सांस्कृतिक अंतर को देखते हुए, सामग्री में निहित निर्देशों को हमारी अपनी दुनिया में लागू करने का कोई भी प्रयास कई महत्वपूर्ण समस्याओं का सामना करता है।

इस प्रस्तुति में हमारा लक्ष्य निहित सामग्री के उस जटिल समूह के विशिष्ट पहलुओं को देखना है, जो सामाजिक न्याय के मुद्दों को संबोधित करता है जो तीन अलग-अलग समूहों से संबंधित हैं: विधवाएँ, अनाथ और निवासी विदेशी। एक समूह जिसे मैं WARA नाम देता हूँ, अच्छा संक्षिप्त नाम, बहुत सारे प्रयास बचाता है। भाग तीन में, हम इन समूहों को अधिक बारीकी से परिभाषित करेंगे और प्राचीन इज़राइली कृषि संस्कृति के साथ-साथ उनकी समानताओं में उनकी स्थिति का मूल्यांकन करेंगे।

यहाँ, हमें पहले उस ऐतिहासिक सांस्कृतिक काल की कुछ कृषि प्रथाओं को स्पष्ट करना चाहिए ताकि सांस्कृतिक आधार रेखा स्थापित की जा सके। पुरातात्विक साक्ष्य बताते हैं कि विशिष्ट कृषि समुदाय, कनानी समकालीनों और उनके पूर्ववर्तियों की तरह, एक दूसरे के बहुत करीब बने घरों का समूह था, यहाँ तक कि दीवारें भी एक जैसी थीं। उनका एक पैटर्न था जो आज भी मौजूद है।

यह गांव संरचना, विशेष रूप से गांवों के आसपास के खेत के साथ संबंधों के संबंध में, सामुदायिक संबंधों को गहराई से प्रभावित करेगी। मेरा मानना है कि सामाजिक न्याय के मुद्दों के संबंध में इसके बहुत महत्वपूर्ण निहितार्थ होंगे, और फिर भी आश्चर्यजनक रूप से, विद्वानों द्वारा इसे काफी हद तक अनदेखा किया जाता है। एक स्रोत जो मुझे इन सामाजिक मुद्दों में से कुछ को समझने में बहुत मददगार लगा, वह था गैलिली के पूर्व में हाइलैंड्स में एक आधुनिक गांव का अध्ययन, जिसे मानवविज्ञानी रिचर्ड एंटोनी ने अरब विलेज, ए सोशल स्ट्रक्चरल स्टडी ऑफ़ ए ट्रांसजॉर्डनियन पीजेंट कम्युनिटी नामक पुस्तक के साथ किया था, जो 1960 में प्रकाशित हुई थी।

एंटोनी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने जो खेती की तकनीकें देखीं, वे पुराने नियम में प्रस्तुत की गई तकनीकों से बहुत मिलती-जुलती थीं। हालाँकि, उनका अध्ययन इस संबंध में भी बहुत

खुलासा करने वाला था कि गाँव की सामाजिक संरचना और भौतिक लेआउट ने सामुदायिक संबंधों को कैसे प्रभावित किया, और यही इस अध्ययन का मुख्य फोकस होगा, जो कि सामाजिक न्याय है। जॉर्डन के एक अनाम विशिष्ट गाँव की यह तस्वीर वह है जिसे हमने जॉर्डन की अपनी एक यात्रा के दौरान देखा था।

जैसा कि देखा जा सकता है, घनी आबादी वाले गांव के आवास अचानक दोनों तरफ खेतों के साथ समाप्त हो जाते हैं, बिना बाड़ वाले खेत सभी दिशाओं में फैले हुए हैं। यह वही लेआउट है जिसे पुरातत्वविदों ने कांस्य युग के अंत में इज़राइली गांवों का प्रतीक बनाते समय नोट किया था। दो कारक, घनी आबादी वाले गांव के आवास और बिना बाड़ वाले खेत पुराने नियम के सामाजिक न्याय के मुद्दों के कई पहलुओं को समझाने में मदद करते हैं।

यह एक नक्शा है जिसे एंटोनी ने 1960 के दशक में जॉर्डन के कफ़र अल- मा'आ गांव के अध्ययन के दौरान बनाया था, जो जॉर्डन नदी से लगभग आठ मील पूर्व में स्थित है। ध्यान दें कि इस अध्ययन में गांव यह पूरा हैशमार्ट क्षेत्र है, जो कि काफी जटिल है। बीच में कुछ हद तक आवासीय क्षेत्र भी शामिल है।

यह बीच में एक छोटा सा अंधेरा हिस्सा है, और फिर भी पूरे क्षेत्र को गांव कहा जाता है। पश्चिमी दृष्टिकोण से यह एक आश्चर्यजनक पहचान है। एंटोनी ने कफ़र अल- मा'आ को उत्तर-पश्चिमी ट्रांसजॉर्डन के अंजुआन जिले में लगभग 200 क्रमिक रूप से विकसित होने वाले गांवों में से एक के रूप में वर्णित किया है।

उस समय, उनके अध्ययन के दौरान, इस गांव की आबादी लगभग 2,000 थी। यह नक्शा अंजुआन क्षेत्र के हिस्से को कवर करता है और जो मानचित्र क्षेत्र के भीतर लगभग 170 वर्ग मील या लगभग 440 वर्ग किलोमीटर को शामिल करता है। एंटोनी ने उस समय इस क्षेत्र में लगभग 25 गांवों की पहचान की।

मा'आ की तरह, प्रत्येक गाँव वास्तव में एक बड़ा भौगोलिक क्षेत्र था जैसा कि हमारे पास इस हैच किए गए क्षेत्र में है और परमाणु के घरों के समूह के साथ जैसा कि हमने पहले ही देखा है। जैसा कि इस चित्र में दिखाया गया है, कफ़र अल- मा'आ में, एंटोनी के अध्ययन का गाँव वास्तव में दो भागों में बना है। शीर्ष भाग पर एक त्रिभुज है, और फिर, यह लंबी पट्टी नीचे है।

जैसा कि आवास क्षेत्र में दिखाया गया है, इस त्रिकोणीय क्षेत्र में रहते हैं, मोटे तौर पर त्रिकोणीय क्षेत्र जो कि हम देख रहे हैं। जैसा कि इस अगले आरेख में दिखाया गया है, गाँव के इस मोटे तौर पर त्रिकोणीय उत्तरी भाग की लंबाई लगभग तीन मील थी। एक क्रॉस अक्ष, ऊर्ध्वाधर, उत्तर-दक्षिण लगभग, लगभग डेढ़ मील है।

और इस आरेख पर, एंटोनी ने ग्रामीणों के विभिन्न खेतों को चिह्नित किया है, उन्हें विभिन्न कुलों और गांवों के अनुसार रंग-कोडित किया है, जिनके पास वे हैं जैसा कि संकेत दिया गया है। तो हमारे पास ये विभिन्न कुल और वंश हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास विशेष खेत हैं। इसके अतिरिक्त, केंद्र में, आप आवास क्षेत्र देख सकते हैं।

यह 13 के बगल में स्थित यह क्षेत्र है। तो, आपके पास खेतों के बीच में एक बगीचे के क्षेत्र के केंद्र में यह आवासीय क्षेत्र है। हाँ, गाँव के शेष भाग को पहले मानचित्र पर बुडलैंड्स के रूप में चिह्नित किया गया है।

इसलिए, अगर हम पहले नक्शे पर वापस जाएं, तो नीचे दाईं ओर, आप देखेंगे कि इसे बुडलैंड्स के रूप में चिह्नित किया गया है, जहाँ वे संभवतः चरते होंगे और विभिन्न उद्देश्यों के लिए लकड़ी काटते होंगे। इसे, या एंटोनी ने इसे, सदाबहार ओक झाड़ियों की द्वितीयक वृद्धि के रूप में वर्णित किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस क्षेत्र का उपयोग चराई के लिए भी किया जाता था।

जबकि हमारे वर्तमान उद्देश्यों के लिए संदर्भ को समझने के लिए बड़े गांव क्षेत्र की अवधारणा महत्वपूर्ण है, हम इस उत्तरी त्रिभुज पर ध्यान केंद्रित करेंगे जिसमें बस्तियाँ शामिल हैं। जैसा कि आरेख में दिखाया गया है, बस्तियाँ क्षेत्र अल बलद बेसिन का हिस्सा था, नक्शे पर क्षेत्र 13। जैसा कि एंटोनी ने बताया, यह बेसिन मूल रूप से गोलाकार था, जिसका व्यास लगभग एक किलोमीटर था, जो आधे मील से थोड़ा अधिक था।

यहाँ ध्यान देने वाली मुख्य बात यह है कि कृषि क्षेत्र उस आवासीय क्षेत्र को घेरे हुए है जिसे हमने अपनी पहली तस्वीर में देखा था। फिर, जब हम आवासीय क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो मुझे ध्यान देना चाहिए कि उन्होंने आरेख में सभी घर नहीं डाले हैं। उन्होंने जो घर डाले हैं, वे वही हैं जो उन्होंने अपने अध्ययन में डाले थे।

यह बड़े पैमाने का नक्शा दिखाता है कि केफ़र अमाह आवास क्षेत्र के अंदर और बाहर छोटे-छोटे बगीचों से घिरा हुआ था। तीन बातों पर ध्यान देना चाहिए। एक, आरेख में वे सभी घर शामिल नहीं हैं जिनका मैंने पहले ही उल्लेख किया है।

दूसरा, आवासीय क्षेत्र घनी आबादी वाला था, जिसकी अनुमानित आबादी लगभग 2,000 थी और यह एक वर्ग मील के दसवें हिस्से से भी कम क्षेत्र में रहता था। लगभग 270 परिवार शामिल थे, जिनमें से अधिकांश एक कमरे वाले घरों में रहते थे। तीसरा, इस मानचित्र पर घरों के चारों ओर छायांकित क्षेत्र और बीच-बीच में बगीचे के क्षेत्र हैं, जहाँ खेतों को विस्तारित परिवारों द्वारा विभाजित किया गया है।

ध्यान दें कि यह नक्शा, उत्तर की ओर इशारा करते हुए तीर को देखते हुए, बाईं ओर है, इसलिए गाँव पिछले दो नक्शों से अलग है। यदि हम पिछली दो तस्वीरों की तुलना करें, तो हम बगीचों से घिरे एक गाँव की संरचना की कल्पना कर सकते हैं, आगे जैतून के बागों से घिरा हुआ है, और फिर उसके बाहर आपके अनाज के खेत और फिर उससे आगे, जंगल हैं। जैसा कि बाद की तस्वीर में देखा गया है, जो वास्तव में उत्तरी इज़राइल में ली गई थी, कम से कम कुछ मामलों में, किसान जैतून के पेड़ों के चारों ओर खेती करते थे, और मैं समझता हूँ कि यह एक प्रथा है, हालाँकि मैंने इसे पिछले कुछ दशकों में देखा है, माना जाता है कि यह पुराने नियम की अवधि से है।

इन चित्रों में गांवों के खेतों से घिरे घरों के समूह के साथ चित्रित यह आधुनिक लेआउट, इज़राइल के कांस्य काल के अंत में एक इज़राइली के मानक गांव की संरचना के समान है। ये दृश्य चित्र पश्चिमी पाठक को प्राचीन इज़राइल के विभिन्न पहलुओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं। अपने विश्वकोश लेख में, फ्रैंक फ्रिक बताते हैं कि पुरातात्विक साहित्य में गाँव, शहर और शहर का परस्पर उपयोग किया जाता है।

क्या यह स्पष्टीकरण के लिए बढ़िया नहीं है? उनका दावा है कि शहर और गांव के बीच मुख्य अंतर प्रशासन का स्तर था। यानी, एक शहर कई बस्तियों से घिरा होगा, जिन्हें गांव भी कहा जाता है, और कृषि अधिशेष को विनियमित करने का काम करते हैं। एक शहर भी आम तौर पर लेकिन जरूरी नहीं कि हमेशा दीवारों से घिरा हो।

एक और अंतर यह हो सकता है कि इसके दायरे में शामिल वंशों की संख्या इस बात पर निर्भर करती है कि शहर में और वंश हैं या नहीं। जैसे-जैसे इज़राइली संस्कृति विकसित हुई, हम यह भी जोड़ेंगे कि कुछ लोग औद्योगिक क्षेत्र कहते हैं। फ्रिक इन खलिहानों को वाइन प्रेस कहते हैं, और ऐसे अन्य भी थे जिन्हें हम बाद में देख सकते हैं।

यदि ग्रामीणों के खेतों से घिरे घरों के समूह का यह मॉडल भी कांस्य युग के अंत और लौह युग के आरंभ में इस्राएल की मानक ग्राम संरचना थी, अर्थात्, न्यायाधीशों और प्रारंभिक राजशाही के समय सीमा के रूप में प्रस्तुत अवधि, तो ऐसा प्रतीत होता है कि नियमित पारिवारिक जीवन के संबंध में निहितार्थ होने चाहिए थे, विशेष रूप से औसत खेती करने वाले इस्राएलियों के लिए। जबकि पिछले कुछ वर्षों में परिवारों को कवर करने वाले कई अध्ययन हुए हैं, आम तौर पर, वे पूरे गांव के अधिक जटिल रिश्तों के बजाय व्यक्तिगत परिवारों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह सुझाव दिया गया है कि बड़े गांव की संस्कृति के निहितार्थ बाइबिल की सामग्री, विशेष रूप से रूथ की पुस्तक जैसी चीजों में स्पष्ट और महत्वपूर्ण दोनों हैं।

हालाँकि रूथ के लेखक का पता नहीं है, लेकिन इसे न्यायाधीशों के काल के अंत में घटित होने के रूप में प्रस्तुत किया गया है, और ऐसा लगता है कि यह उस समय की कृषि व्यवस्था की एक झलक देता है। रूथ को एक विधवा और एक निवासी विदेशी दोनों के रूप में प्रस्तुत किया गया है। जैसे-जैसे लेखक रूथ की मुक्ति प्रक्रिया का पता लगाता है, वह कई सामाजिक न्याय प्रावधानों को छूता है, जिन्हें हम भाग चार में संबोधित करेंगे।

हालाँकि, इस बिंदु पर, हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि पाठ में कई विवरण भी प्रस्तुत किए गए हैं जो सामुदायिक संरचना द्वारा निर्धारित सामाजिक मानदंडों का सुझाव देते हैं। उदाहरण के लिए, जब रूथ 2 में रूथ बीनने के लिए बाहर जाती है, तो खेत से घिरे गाँव का मॉडल पाठ को सबसे अच्छी तरह से चित्रित करता है। दो बार, रूथ 2 और 3 में रूथ के खेत में जाने की बात कही गई है, एकवचन, जहाँ कटाई करने वाले काम कर रहे हैं।

पद 3 में फिर से उल्लेख किया गया है कि उस खेत का वह हिस्सा, फिर से एकवचन, बोअज़ का था। इससे पता चलता है कि जबकि गाँव के आस-पास की कृषि भूमि के कुछ हिस्से अलग-अलग व्यक्तियों के हैं, खेती की गई भूमि की समग्रता को समुदाय से संबंधित एक सामूहिक समग्रता के

रूप में देखा जाता था। पद 3 में यह भी उल्लेख किया गया है कि रूत संयोग से बोअज़ के खेत के हिस्से पर आई थी, जो एलीमेलेक के परिवार का था।

यह भाषा न केवल बोअज़ बल्कि उसके वंश के विभिन्न भू-भागों के स्वामित्व का संकेत देती है, जिसे एंटोनी के अध्ययन में देखा गया था। यह यह भी सुझाव देता है कि खेतों के बीच कोई बाड़ नहीं थी, जैसा कि इस तस्वीर में देखा जा सकता है, खासकर आधुनिक समय में। यह तस्वीर उत्तरी इज़राइल में मेरी एक यात्रा के दौरान ली गई थी, और आप देख सकते हैं कि खेत वनस्पतियों की लकीरों से विभाजित हैं।

यदि रूथ में किसान और फसल काटने वाले लेविटिकस 19 :9 में प्रस्तुत मूसा के कानून के दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे थे, तो वे, उद्धरण, खेत के कोने तक कटाई नहीं कर रहे थे, उद्धरण रहित, जैसा कि न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड द्वारा अनुवादित किया गया है। जिस शब्द का अनुवाद कोने में किया गया है वह स्पष्ट नहीं है। अन्य अनुवादक किनारे शब्द का उपयोग करते हैं।

तो, क्या यह एक कोना है या एक किनारा? या शायद यह सबसे बाहरी भाग है। यदि दो आसन्न भागों में हार्वेस्टर दोनों कोने के पीछे छोड़ देते हैं, तो कोई बाड़ नहीं होगी, जिससे कोई बीनने वाला आसानी से आ सकता है, यानी अनजाने में एक व्यक्ति के खेत के एक हिस्से के खड़े अवशेषों से दूसरे व्यक्ति के हिस्से में चला जाता है। पूरे क्षेत्र में खेत में पाए जाने वाले सर्वव्यापी पत्थरों को देखते हुए, बाड़ की कमी कुछ हद तक आश्चर्यजनक है।

कृषि के लिए खेत तैयार करने के लिए इन्हें हटाना होगा। लुसियानो तुर्कोव्स्की ने नोट किया कि कुंवारी मिट्टी तैयार करते समय, सबसे पहले, भूखंड की सीमा को चिह्नित करने के लिए बड़े पत्थरों को हटाया जाएगा। सबसे पहले, यह पत्थर की बाड़ का सुझाव देता है, जैसा कि हम अपने देश के कुछ हिस्सों में देखते हैं, जैसे कि न्यू इंग्लैंड।

हालाँकि, व्यवस्थाविवरण 19:14 सीमा चिह्न को हिलाने के विरुद्ध चेतावनी देता है, यह सुझाव देता है कि कुछ और आसानी से स्थानांतरित किया जा सकता है, जैसा कि हम इस चित्र में देख सकते हैं। इससे यह सवाल उठता है कि सीमा चिह्नों के लिए इस्तेमाल किए गए पत्थरों के अलावा हटाए गए पत्थरों का क्या हुआ। एक संभावना यह हो सकती है कि वे घरों के लिए हों।

दूसरा यह हो सकता है कि उनका उपयोग सीढ़ीदार खेत बनाने के लिए किया जाता था, हालाँकि यह नवाचार संभवतः बाद में आया। रूथ के विवरण का एक और पहलू अध्याय तीन में खलिहान का वर्णन है। यहाँ दो बिंदु प्रासंगिक हैं।

थ्रेसिंग के बाद, अनाज को अलग करना और अनाज को भूसे से साफ करना आवश्यक था। यह प्रक्रिया आम तौर पर हवा के संपर्क में आने वाले ऊँचे स्थान पर होती थी, जैसा कि दक्षिणी स्पेन के पहाड़ों में एक थ्रेसिंग फ्लोर की इस तस्वीर में देखा जा सकता है, जहाँ मैं 1970 के दशक में रहता था। इज़राइल में, थ्रेसिंग फ्लोर निजी स्वामित्व वाला हो सकता है या, जैसा कि यबूसी ओरनान के मामले में था, जिसने 1 इतिहास 21 में महामारी के रुकने के बाद अपना थ्रेसिंग फ्लोर

दाऊद को बेच दिया था, या थ्रेसिंग फ्लोर बड़े सामाजिक वर्गों जैसे वंश या यहाँ तक कि समग्र कबीले की जिम्मेदारी के तहत सामुदायिक हो सकता है।

जबकि परिवहन की सीमाएँ बताती हैं कि खलिहान अनाज उत्पादक खेतों के पास स्थित होंगे, ऊपर वर्णित गाँव का लेआउट, साथ ही पूरे इज़राइल में मेरे व्यक्तिगत अनुभव, यह सुझाव दे सकते हैं कि एक विशिष्ट स्थान गाँव से कुछ दूर होगा ताकि घरों से भूसा उड़कर दूर जा सके। खलिहान-खिड़की प्रक्रिया कई दिनों की प्रक्रिया थी जिसमें कई चरण शामिल थे - आमतौर पर, सभी खलिहान पर किए जाते थे। इसमें शामिल दूरियों को देखते हुए, खलिहान, खिड़की बनाने के लिए आवश्यक कार्य की मात्रा और उसके बाद संसाधित अनाज को गाँव में वापस ले जाने की आवश्यकता को देखते हुए, यह स्पष्ट रूप से खलिहान पर सामूहिक रूप से रात बिताने की एक सामान्य प्रथा थी, जैसा कि हम रूथ के अध्याय 3 श्लोक 3 से 7 में देखते हैं। हमने पहले देखा कि कैसे जंगल खेती के खेतों से आगे तक फैले हुए हैं और सुझाव दिया कि इस क्षेत्र का उपयोग गाँव की भेड़ों और बकरियों के चरने के लिए किया जा सकता है।

यदि ऐसा है, तो यह अधिक परिचित और हाल ही में प्रचलित बेडौइन पैटर्न के विपरीत होगा, जो कम से कम अर्ध-खानाबदोश है। ऊपर वर्णित गाँव के लेआउट से पता चलता है कि ये चरागाह क्षेत्र गाँव के क्षेत्र के भीतर सबसे दूर के हिस्से होंगे, निवास वाले हिस्से से सबसे दूर, स्पष्ट रूप से अभी भी समुदाय का हिस्सा होंगे। वास्तव में, कई अध्ययनों से पता चलता है कि फसल के बाद, भेड़ों को गाँव के करीब लाया जाता था और कटे हुए अनाज के खेत में चराया जाता था, रामोथ गिलाद के पास ली गई इस तस्वीर में भेड़ों के समान।

यदि ऐसा है, तो यह समझ में आता है कि जब मौसम बेहतर होता था, तो पशुओं को रात भर चरागाह में रहने की अनुमति दी जाती थी, जो हमें लूका अध्याय 2, श्लोक 8 की एक दिलचस्प पृष्ठभूमि देता है, जब हम चरवाहों को उनके झुंड के साथ खेतों में देखते हैं। हालांकि यह घरों से इतनी दूर है कि जानवरों को रोजाना खेतों से नहीं लाया-ले जाया जा सकता है, फिर भी यह घरों के इतने करीब होगा कि चरवाहे कम से कम अंशकालिक रूप से घर लौटते हुए शिफ्ट में काम कर सकते हैं। राजशाही काल से पहले के सामाजिक मानदंड अब्राहम और उसके बाद की कई शताब्दियों की परंपराओं और मुख्य रूप से सिनाई में भगवान द्वारा दी गई टोरा की शिक्षा और फिर जोशुआ के तहत किए गए निपटान प्रक्रिया के माध्यम से विकसित की गई परंपराओं का एक अंतर्संबंध होगा।

जबकि लोग मिस्र से अपने साथ कई परंपराएँ और प्रथाएँ लेकर आए थे, जब परमेश्वर ने एक नया राष्ट्र स्थापित किया, तो उसने इन परंपराओं और प्रथाओं को मानकीकृत करने के लिए टोरा को परिष्कृत करने और बदलने के लिए दिया ताकि लोग परमेश्वर के न्याय के मानकों के अनुरूप हों। इस प्रकार, अन्य संस्कृतियों में जो कुछ था और जो उन्होंने विकसित किया था, उससे कुछ आगे भी रहेगा। इसमें नवाचार भी होंगे।

यहाँ हमारा काम यह तय करना नहीं है कि कौन सा क्या है, बल्कि अंतिम उत्पाद को ईश्वर द्वारा निर्धारित व्यवस्था के रूप में देखना है जो पतित मनुष्यों से भरी दुनिया में सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण संस्कृति प्रदान करेगी। इस्राएल के लिए, यह अपेक्षा थी कि जब वे कनान में आएं, तो

वे न केवल जनजातियों, बल्कि छोटे समूहों में विभाजित होंगे और ये छोटे समूह शहरों और गांवों में बसेंगे और वे नियमित मुद्दों के लिए स्थानीय शासन को लागू करेंगे। निपटान प्रक्रिया में वर्णित बुनियादी जनसांख्यिकी संभवतः कुछ हद तक वैसी ही थी जैसा कि पिछली कई पीढ़ियों ने मिस्र में अनुभव किया था।

इस प्रकार, टोरा ने राष्ट्र के सामाजिक रीति-रिवाजों को संशोधित किया जिसका पालन करने की अपेक्षा की गई थी, संभवतः सामाजिक न्याय नामक किसी चीज़ के संदर्भ में मानक को ऊपर उठाने के लिए। एक उदाहरण उस भूमि को बेचने पर प्रतिबंध हो सकता है जिसे ईश्वर ने निपटान के बाद वितरण के उत्पाद के रूप में प्रत्येक परिवार को दिया था। जबकि अहाब और नाबोत के बीच की घटना जैसी सामग्री से पता चलता है कि कुछ लोगों ने उन मानकों का पालन करने की कोशिश की, समग्र भविष्यवाणी संदेश से संकेत मिलता है कि लोगों ने उन्हें बड़े पैमाने पर अनदेखा किया।

बस्ती की जनसांख्यिकी ने संस्कृति की सामाजिक संरचना को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया होगा, जहाँ परिवहन का प्राथमिक साधन पैदल था। समुदाय के लेआउट ने, जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, सामुदायिक संबंधों, कार्य प्रथाओं और समुदायों के बीच की दूरियों, यहाँ तक कि विवाह जैसे मामलों को भी प्रभावित किया। हम भाग 3 में विवाह के मुद्दे को संबोधित करेंगे। यहाँ, हम यह देखना चाहते हैं कि गाँव की संरचना ने काम और पारिवारिक गतिशीलता को कैसे प्रभावित किया।

भूमि वितरण। सबसे पहले, यह जनजाति के अनुसार था। जोशुआ 13 से 21 के अनुसार, भूमि को 12 जनजातियों के बीच विभाजित किया गया था, जो जनजातीय क्षेत्रों के बीच सीमा रेखाओं को परिभाषित करता है और प्रत्येक जनजातीय क्षेत्र में शामिल शहरों को उनके गांवों या बाहरी बस्तियों के साथ सूचीबद्ध करता है।

पाठ में यह नहीं बताया गया है कि किस प्रक्रिया से छोटी इकाइयों, यानी कबीले या कबीले के एक हिस्से को विभाजित किया जा सकता है। वे किसी शहर में बस गए होंगे, या विभिन्न विस्तारित परिवार किस तरह शहर और आस-पास के गांवों में बस गए होंगे। कबीलों और विस्तारित परिवारों के माध्यम से यह क्षेत्रीय या स्थानीय वितरण औसत इस्राएली के लिए दैनिक आधार पर अधिक महत्वपूर्ण रहा होगा क्योंकि उन्होंने सामाजिक संगठनों का निर्माण किया जो इस्राएलियों के भूमि पर बस जाने के बाद बोझ और लाभ दोनों को निर्धारित करते थे।

इस प्रकार, इनसे उनके सामाजिक न्याय के लिए आधार तैयार हुआ। परिणामस्वरूप, हमारी वर्तमान चिंता अंतिम चरण का मूल्यांकन करना है, जहाँ स्थानीय गाँव या शहर के बुजुर्ग सामूहिक खेत को, जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, उन भागों में विभाजित करते हैं जिन्हें परमाणु परिवार की जोत कहा जा सकता है। जनजातीय वितरण।

विजय कथाओं में दावा किया गया है कि प्रत्येक इस्राएली जनजाति को उस भूमि के कुल हिस्से का एक हिस्सा दिया गया था जहाँ से उन्हें रहना था। जोशुआ के अनुसार, यह चिट्ठी डालकर किया जाता था। यह एक सामान्य अभिव्यक्ति प्रतीत होती है जो निर्णय लेने के लिए इस्तेमाल की

जाने वाली विभिन्न विधियों में से किसी एक का वर्णन करती है, जो मानवीय दृष्टिकोण से, अनिवार्य रूप से निष्पक्ष थे।

आज, हमारे पास सिक्के उछालने और तिनके निकालने का काम है। हम इन्हें उदाहरण के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इस्राएल के लिए, यह अनुमान था कि परिणाम को ईश्वर नियंत्रित करता है, हालाँकि यह यादृच्छिक प्रतीत होता था।

क्योंकि रूबेन, गाद और मनश्शे के आधे गोत्र ने यहाँ दाईं ओर जॉर्डन नदी के पूर्वी किनारे की भूमि को चुना था, इसलिए पश्चिमी क्षेत्र को दस क्षेत्रों में विभाजित किया गया, मनश्शे का दूसरा आधा हिस्सा और शेष नौ गोत्र। बेशक, लेवी बाकी भूमि में बिखरा हुआ था। भूमि विभाजन का वर्णन यहोशू के अंतिम भाग में किया गया है, लेकिन हमें यह नहीं बताया गया है कि उन भूमि विभाजनों का निर्धारण कैसे किया गया था।

हमें बताया गया है कि प्रत्येक जनजाति के पास एक क्षेत्र था, और इसमें सभी कबीले या विस्तारित परिवार शामिल थे जो एक दूसरे से जुड़े हुए थे। जोशुआ की पुस्तक यह भी दावा करती है कि भूमि को जनजाति के आकार के अनुपात में भागों में विभाजित किया गया था, जिसमें बड़ी जनजातियों को अधिक क्षेत्र दिया गया था, जोशुआ 14:1 से 5। लेकिन जोशुआ वास्तविक प्रक्रिया के बारे में बहुत कम जानकारी देता है, बल्कि परिणाम पर ध्यान केंद्रित करता है। विशेष रूप से, यह प्रत्येक जनजाति के हिस्से की सामान्य रूपरेखा के भीतर विशिष्ट शहरों की कई सूचियाँ देता है, जोशुआ 15 से 19।

यहाँ तक कि उन सूचियों में भी जनजाति दर जनजाति विवरण अलग-अलग है। यहूदा में बहुत विस्तृत विवरण है। अधिकांश जनजातियों में ऐसा नहीं है।

हालाँकि इन शहरों और उनके गाँवों को सूचीबद्ध किया गया है, लेकिन उनका वर्णन नहीं किया गया है और कई मामलों में, उनका नाम कहीं और नहीं दिया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक जनजाति को उसके परिवारों के अनुसार उसका हिस्सा दिया गया था। परमेश्वर ने मूसा को संख्या 26 में जो निर्देश दिए थे, वे थे कि भूमि को नामों की संख्या के अनुसार विभाजित किया जाना था।

एक बात जो अक्सर नज़रअंदाज़ हो जाती है, वह यह है कि, जैसा कि पाठ में बताया गया है, उस भूमि पर बसे सभी परिवार उसी 40 साल के जंगल के अनुभव से बाहर आ रहे थे, जिसके दौरान उनकी ज़रूरतों का ख्याल पूरे समय परमेश्वर ने रखा था। अब, सभी को एक नई शुरुआत के लिए संसाधन दिए जा रहे थे, लेकिन यह एक मुश्किल काम होगा। सबसे पहले, जबकि वहाँ ऐसे बुजुर्ग रहे होंगे जो निर्गमन से पहले मिस्र में रहते थे, वे मिस्र में रहते हुए ज़्यादातर बच्चे ही रहे होंगे, और उन्हें खेती करने के तरीके के बारे में बहुत कम याद होगा।

भले ही उन्हें खेती करना याद हो, लेकिन इजराइल में खेती मिस्र की खेती से अलग होगी। मिस्र में खेती सिंचाई के जरिए की जाती थी। इजराइल में खेती बारिश पर निर्भर करेगी।

भूमि किसे मिली? कबीले के क्षेत्रों को कबीले के अनुसार विशिष्ट शहर क्षेत्रों में और फिर विस्तारित परिवार के अनुसार विभाजित किया गया था। सिद्धांत रूप में, इन विस्तारित परिवारों के भीतर भूमि प्राप्त करने वाले व्यक्ति याकूब के भौतिक वंशज थे, जो उस वाचा को विरासत में पाने वाला तीसरा व्यक्ति था जिसने मूल रूप से अब्राहम को भूमि दी थी। वास्तव में, निर्गमन के हिस्से के रूप में मिस्र से बाहर आने वाला समूह एक मिश्रित समूह था, जैसा कि निर्गमन 12.38 में उल्लेख किया गया है। जैसा कि नीचे देखा जाएगा, इन्हें भी भूमि प्राप्त हुई।

संख्या 26:53 में संदर्भित नाम, वे पुरुष हैं जिन्हें अभी-अभी पूरी हुई जनगणना में गिना गया था। पद 54 में बड़े समूहों और छोटे समूहों का अस्पष्ट संदर्भ संभवतः संख्या 1-2 में पहली जनगणना में निर्दिष्ट दो समूहों को संदर्भित करता है, जिसमें जनगणना उनके परिवारों और उनके पिता के परिवारों द्वारा किए जाने का निर्देश दिया गया था। परिवारों और पिता के परिवारों के रूप में अनुवादित इन शब्दों का क्या अर्थ है यह स्पष्ट नहीं है और इस पर बहस होती है।

जैसा कि हम भाग दो में बताएंगे, हम बड़े और छोटे समूहों के लिए कबीले और विस्तारित परिवार शब्दों का उपयोग करेंगे, जिन्हें जनजाति और परमाणु परिवार के बीच मध्यवर्ती चरण के रूप में देखा जाता है। संभवतः, कबीला बड़ी इकाई थी, हालांकि हम इसे पहचानने में शामिल कई अनिश्चितताओं को पहचानते हैं। इसके विपरीत, एक विस्तारित परिवार एक पारिवारिक इकाई थी जिसमें तीन पीढ़ियाँ शामिल थीं, जिसमें दादा-दादी, एक विवाहित बच्चा, आमतौर पर एक बेटा जिसके बारे में हम सोच रहे हैं, और फिर पोते-पोतियाँ शामिल थीं।

परमाणु परिवार की हमारी समझ से एक पीढ़ी आगे। हालाँकि, विस्तारित परिवार में उस व्यक्ति के वंशजों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल हो सकती है जो अब जीवित नहीं है। यह आज भी मध्य पूर्व में स्पष्ट हो सकता है।

इस संबंध में, यदि इस व्यापक अर्थ में एक विस्तारित परिवार एक गांव में बस गया है, तो इसमें छोटे अर्थ में कई विस्तारित परिवार शामिल हो सकते हैं। वे रिश्तेदार हैं, लेकिन अधिक दूर के हैं। इसलिए, हम दूसरे और तीसरे चचेरे भाई-बहनों और उससे आगे की बात कर रहे हैं।

संख्या अध्याय 1, श्लोक 2 में दिए गए विशिष्ट नाम संभवतः कुलों के हैं। जोशुआ 15 से 19 में जिस तरह से शहरों का नाम रखा गया है, जिसमें सीमाएँ और नामित शहर शामिल हैं, उससे पता चलता है कि लॉट ने भूमि को विशिष्ट क्षेत्रों में विभाजित किया है, कम से कम कुलों के स्तर तक। इसका मतलब यह होगा कि किसी दिए गए कबीले को एक विशिष्ट शहर क्षेत्र दिया गया था, उदाहरण के लिए एंटोनी के एक गाँव, कफ़र अल- मा'आ के वर्णन के समान, और यह संभव है कि दो या अधिक कबीलों को एक ही शहर दिया गया हो या उन्हें उसी शहर में बसने के रूप में वर्णित किया गया हो।

ऐसा लगता है कि भविष्य में इनमें से कुछ कबीले वास्तव में बढ़ेंगे और विभाजित होंगे। शहर के क्षेत्र में कबीले के नेता द्वारा भूमि का विभाजन मुख्य रूप से लॉट द्वारा किया गया होगा, लेकिन ऐसा लगता है कि उनके पास विशिष्ट परिवारों को विशिष्ट भूमि देने का विकल्प भी था। संकीर्ण अर्थ में प्रत्येक विस्तारित परिवार को कितनी भूमि दी गई थी? यह अज्ञात है।

एक सीमित कारक यह होगा कि एक परिवार वास्तव में कितनी भूमि पर खेती कर सकता है। मैंने कहीं और गणना की है कि ऐसा प्रतीत होता है कि एक वयस्क पुरुष को सामान्य विरासत में लगभग पाँच एकड़ जमीन मिलती होगी। जबकि आधुनिक पश्चिमी मानकों के अनुसार खेत का यह आकार छोटा लगता है, लेकिन यह प्राचीन दुनिया में और आज भी सुदूर पूर्व जैसे क्षेत्रों में कृषि के बारे में जो हम जानते हैं, उसके अनुरूप प्रतीत होता है।

विचार करने के लिए एक अन्य कारक यह है कि आम तौर पर यह माना जाता है कि सभी परिवार मुख्य रूप से कृषि में लगे हुए थे, बिना शहरों में रहने वाले किसी भी व्यक्ति ने अधिक विशिष्ट कुशल व्यापार लागू नहीं किया। लौह युग तक, जो लगभग 1200 ईसा पूर्व शुरू हुआ, फिलिप किंग और लॉरेंस स्टीगर ने प्रस्तावित किया कि ऐसे विशेषज्ञ थे जिनका प्राथमिक व्यवसाय विभिन्न कौशल में था, जिसमें बुनकर, कुम्हार, चर्मकार और लोहार शामिल थे, लेकिन यह इस वर्तमान अध्ययन के दायरे से बाहर है। जैसा कि पुनर्निर्माण किया गया है, संख्या 26 में सूचीबद्ध प्रत्येक कबीले को लॉट के आधार पर एक क्षेत्र प्राप्त हुआ।

तब कबीले का क्षेत्र विस्तारित पारिवारिक वंशों के आधार पर विभाजित किया गया होगा, जिससे संभवतः सजातीय परिवार उत्पन्न हुए होंगे। यानी, एक तरह से, गाँव में हर कोई हर किसी से संबंधित रहा होगा, कम से कम दूर के चचेरे भाई के रूप में। विधवाओं और अनाथों, विशेष रूप से बाहरी लोगों के संदर्भ में यह संबंध बहुत महत्वपूर्ण प्रतीत होता है, क्योंकि वे गाँव में हर किसी से अलग-अलग डिग्री पर संबंधित रहे होंगे।

सामाजिक मानदंड। बाइबिल का पाठ वास्तव में बसने की सांसारिक प्रक्रिया को संबोधित नहीं करता है, न ही यह दैनिक जीवन के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करता है जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है। फिर भी, हमने जो गाँव का लेआउट प्रस्तुत किया है, वह कई व्यावहारिक निहितार्थों का सुझाव देता है जो दैनिक जीवन को प्रभावित करेंगे।

बदले में, इनसे सामाजिक न्याय प्रावधानों पर असर पड़ा होगा, जिसे हम भाग 4 में समझेंगे या चर्चा करेंगे। निम्नलिखित विशिष्ट निष्कर्ष हैं जो मैंने एक इज़राइली गाँव में दैनिक जीवन और पारिवारिक जीवन के बारे में निकाले हैं। पहला, समुदाय आपस में जुड़े हुए थे और एक दूसरे के साथ बहुत निकटता से रहते थे। घरों की निकटता और विस्तारित संबंधों को देखते हुए, परिवार एक दूसरे के सुख और दुखों से अवगत रहे होंगे।

ऐसा भी लगता है कि साथियों का दबाव काफी ज़्यादा रहा होगा, लेकिन यह आमने-सामने का था, फ़ेसबुक का नहीं। इससे समुदाय के सभी रिश्तों पर असर पड़ता। दूसरा, खेत में रोज़ाना काम करना।

पैदल ही आना-जाना होता था। इसलिए, रोज़ाना के कामों के लिए, जैसे कि रोपण, खेतों की देखभाल या कटाई, एक आम इज़राइली किसान सुबह-सुबह अपने घर से निकलकर अपने खेत के एक खास हिस्से में चला जाता था। व्यावहारिक रूप से, यह असंभव था कि वह सुबह देर से रोज़ाना का काम पूरा होने तक घर वापस लौटता।

दूसरा, श्लोक 14, मज़दूरों ने दोपहर का खाना साइट पर खाया। साथ ही, जिस दिन वह खेत में काम नहीं कर रहा होता, उस दिन किसान गाँव में होता, शायद घर में या गेट पर बैठा होता। तीसरा, खेत के हिस्से क्षमताओं के आधार पर आकार द्वारा सीमित होते हैं।

एक हल कितना खेत जोत सकता है, बो सकता है और काट सकता है? हाथ से, जानवरों द्वारा खींचे जाने वाले हल से काम करते हुए, ऐसा प्रतीत होता है कि प्रत्येक व्यक्ति के पास कई हिस्से हो सकते थे, जिनमें वह अलग-अलग तिथियों पर हल चलाता या काटता था। यह अनुमान लगाया गया है कि ये अलग-अलग हिस्से संभवतः आधे एकड़ से लेकर एक एकड़ तक के थे और समुदाय का आकार सीमित था।

चूँकि हर कोई खेत के अपने हिस्से तक पैदल जाता था, इसलिए इससे कृषि समुदाय पर एक व्यावहारिक सीमा तय हो जाती थी और यह भी तय हो जाता था कि सामूहिक खेत समुदाय का वास्तविक जुताई वाला हिस्सा आवास क्षेत्र से कितनी दूर तक फैल सकता है। एक घंटे की यात्रा दैनिक आवागमन की अधिकतम प्रभावी सीमा हो सकती है, जिसका अर्थ है कि अधिकतम जुताई की गई त्रिज्या लगभग दो से तीन मील होगी, जो लगभग चार से छह मील के एक गाँव के क्षेत्र का व्यास सुझाती है। शहर के द्वार से लगभग एक मील या उससे थोड़ा कम की जुताई की गई त्रिज्या संभवतः अधिक व्यावहारिक और अधिक विशिष्ट होगी।

पाँच उपग्रह आवास। जैसा कि फ्रैंक फ्रिक ने दिखाया है, यह संभावना है कि किसी दिए गए शहर के चारों ओर उपग्रह बस्तियों या गांवों का एक समूह रहा होगा। उनका सुझाव है कि शहर का प्राथमिक कार्य कृषि अधिशेष को निकालना और निवेश करना तथा सामाजिक नेतृत्व प्रदान करना था।

वह उपग्रह गांवों के कार्य को संबोधित नहीं करता है, लेकिन विकसित मॉडल से पता चलता है कि यह एक छोटा सा समुदाय हो सकता है जिसका उद्देश्य किसानों के एक छोटे समूह के लिए आपसी सहायता प्रदान करना है जो अपने खेतों के करीब रहना चाहते हैं। यदि यह संरचना सही होती, तो ऐसा प्रतीत होता कि, जैसा कि बिंदु दो के तहत उल्लेख किया गया है, किसी दिए गए शहरी समूह, यानी एक शहर और उसके गांवों के लिए समग्र क्षेत्र लगभग छह या सात मील, लगभग 10 किलोमीटर, या लगभग 25 से 30 वर्ग मील, 65 से 78 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में हो सकता है। समग्र समाज को देखते हुए, शहरों के बीच की भूमि संभवतः जोती हुई थी।

यह एक ऐसा क्षेत्र होगा जहाँ वन्यजीवों का जमावड़ा रहता होगा। वे वहाँ जानवरों को चराने ले जा सकते थे, लेकिन इस क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा साफ नहीं किया गया होगा। इस समय सीमा में, ऐसा प्रतीत होता है कि इसका अधिकांश भाग एक प्रकार के जंगल में था, जिसे हम यहोशू 17, 15 में देख सकते हैं, जहाँ वह एप्रैम के गोत्र को निर्देश देता है: यदि आप अधिक भूमि चाहते हैं, तो इसे साफ कर दें।

कालेब एक आदर्श वितरक है। न्यायियों के अध्याय 1, श्लोक 14 और 15 में संकेत मिलता है कि विस्तारित परिवार, इस मामले में, संभवतः कबीले के नेता के पास, विशिष्ट व्यक्तियों या एकल

परिवारों को क्षेत्र के विशेष हिस्से देने का विशेषाधिकार था। कालेब के मामले में, यह उसकी बेटी है।

हम उस पर भाई-भतीजावाद का आरोप नहीं लगाएंगे। जबकि कालेब का उदाहरण विजय के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किया गया है, इस क्षेत्र के विभिन्न भागों में से कुछ हिस्से शायद शुरुआत में पूरी तरह से वितरित नहीं किए गए थे। यदि वे उस समय वास्तव में कितनी भूमि संभाल सकते थे, इस आधार पर भूमि वितरित कर रहे हैं, तो यह संभावना है कि इसे विभाजित करने के बाद, चाहे लॉट द्वारा या अनुदान द्वारा, कुछ हिस्से ऐसे होंगे जो विनियोजित नहीं किए गए थे, जिन्हें बाद में वितरित किया जा सकता था।

इसका एक अर्थ यह भी हो सकता है कि सब्बाथ के वर्षों में पक्षियों की भूमि के संदर्भ में इसका प्रभाव हो सकता है, और यह इस अध्ययन से परे है, लेकिन दूसरे या तीसरे बेटे के संबंध में भी इसका प्रभाव हो सकता है। कैलेब के मॉडल को जारी रखते हुए, भाग संभवतः बिखरे हुए थे। हमने एंटोनी के मॉडल में यह देखा कि किस तरह विभिन्न रंग आपस में मिलते-जुलते हैं।

कुछ क्षेत्र ऐसे थे जो एक ही रंग के थे या कमोबेश एक ही रंग के थे, जबकि अन्य पूरे क्षेत्र में बिखरे हुए थे। कैलेब और उसकी बेटी के बारे में लिखे गए पाठ में कहा गया है कि उसके पास कुछ हिस्से हैं जो उसे दिए गए थे, और वह अपने पिता के पास जाती है और कहती है, इसके अलावा, मुझे कुछ झरने भी दे दो। यह संभावना नहीं है कि वे झरने उसके खेत के ठीक बगल में थे, इसलिए वे सामुदायिक केंद्र से अलग दिशा में कहीं और थे।

आज मध्य पूर्व में यात्रा करने से पता चलता है कि एक सामान्य अलग खेत का हिस्सा आधा से एक एकड़ के बीच हो सकता है। यहीं से हमें आकार का वह आंकड़ा मिलता है। अगर एक सामान्य इस्राएली के पास कुल विरासत तीन से पांच एकड़ के बीच थी, तो संभवतः, खेत के अलग-अलग क्षेत्रों में कई हिस्से स्थित होंगे।

यह भी संभव है कि अलग-अलग फसलें अलग-अलग हिस्सों में एक साथ उगाई गई हों। उदाहरण के लिए, गेहूं एक क्षेत्र में हो सकता है, जबकि अलग-अलग किसान दूसरे क्षेत्र में गेहूं या जौ उगाते हैं। यह भी सुझाव दिया गया है कि खेत के विभिन्न हिस्सों की उत्पादकता अलग-अलग हो सकती है, जो माइक्रोइकोलॉजी की बातों में आ सकती है।

इस स्थिति में, यह संभव हो सकता है कि जिस किसान को ज़मीन बेचने की ज़रूरत हो, वह जुबली वर्ष तक अपनी ज़मीन का केवल एक हिस्सा ही बेचे, जो उसके पास मौजूद ज़मीन का एक हिस्सा है, जिसका जुबली वर्ष की उस संपत्ति के संबंध में निहितार्थ है। चरागाह क्षेत्र खेतों से बाहर था। समुदाय की ज़मीन के चरागाह वाले हिस्से संभवतः जुते हुए खेतों से बाहर थे, और आवास समूहों की दूरी को देखते हुए, ऐसा लगता है कि झुंड और पशु आम तौर पर दिन और रात दोनों समय अपने चरागाहों में रहते होंगे जब वे चर रहे होते थे, हालाँकि एक बार खेतों की कटाई हो जाने के बाद, उन्हें जानवरों के चरने के दौरान पास लाया जा सकता था ताकि पराली को साफ किया जा सके और खेत को प्राकृतिक रूप से उपजाऊ बनाया जा सके।

भूमि वितरण में घरों को शामिल नहीं किया गया था। वे सामुदायिक केंद्र में हैं, और उन्हें खेत से अलग कर दिया गया था ताकि अगर कोई व्यक्ति अपने सभी खेतों को पट्टे पर दे दे क्योंकि वह बहुत गरीब है, तो जुबली की शर्त के तहत, उसके पास शायद रहने के लिए जगह होगी। यह नाओमी और रूथ की स्थिति को समझा सकता है जब वे मोआब से बेथलेहम वापस आती हैं, और उनके पास एक घर होता है जिसमें वे जा सकती हैं।

मैं सुझाव दूंगा कि यह बहुत संभव है कि एलीमेलेक का घर ही हो जिस पर उसने अभी भी स्वामित्व बनाए रखा हो, भले ही उसने अकाल के दौरान मोआब जाने के लिए खेतों को पट्टे पर दे दिया हो। जमीन परिवार के पास ही रही। बाइबिल के पाठ में एक मानक निर्धारित किया गया है कि जो जमीन विरासत में मिली थी, जो उन अन्य क्षेत्रों में से कुछ के बारे में संकेत दे सकती है, जमीन बेची नहीं जा सकती थी, बल्कि पिता से उसके बेटे को दी जाती थी।

ऐसा नहीं लगता कि इससे खेत को दो बेटों के बीच बांटने पर रोक लगती है। हालाँकि कानून में यह कहा गया है कि सबसे बड़े बेटे को दोगुना हिस्सा मिलेगा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि पूरा खेत मिलेगा। नए हिस्से बांटे गए।

अब, यह सवाल के लिए खुला है, लेकिन ऐसा लगता है कि कभी-कभी दूसरे बेटों को खेत के नए हिस्से दिए जा सकते हैं जो पहले कभी वितरित नहीं किए गए थे। मैंने पहले उल्लेख किया था कि मूल वितरण के दौरान एक परिवार को दी जाने वाली भूमि की मात्रा की सीमा वह भूमि थी जिसे किसान संसाधित कर सकता था या संभाल सकता था। इसलिए, यह संभावना है कि खेत के वे हिस्से जो शुरू में जोते नहीं गए थे, संभवतः वे जो कम वांछनीय थे, आम तौर पर हम कह सकते हैं कि दूर-दूर तक, यह भविष्य की पीढ़ियों में एक स्थिति की अनुमति देगा जहां एक छोटा बेटा एक नया परिवार शुरू कर सकता है और उसे एक नया खेत दिया जा सकता है, ऐसा कहा जाता है।

हम बाद में परिवार के आकार पर चर्चा करेंगे। किंग और स्टेगर के आदर्श वाक्य के अनुसार, जैसे-जैसे ज़मींदार की उम्र बढ़ती गई, ज़मीन पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती गई और पुरानी पीढ़ी के सदस्य, संभवतः विधवाएँ, अपने विवाहित बेटों के साथ रहती थीं। उस संदर्भ में, उन्हें बुढ़ापे में वयस्क बच्चों द्वारा सहारा दिया जाता था, हालाँकि यह संभावना है कि जब तक वे सक्षम थे, उन्होंने परिवार के पूल में कुछ श्रम प्रदान किया।

यह विशेष निहितार्थ विधवाओं के लिए आधार रेखा के संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण है, जिसे हम भाग दो और तीन में संबोधित करेंगे। जोशुआ लगातार शहरों और उनके गांवों की संख्या का हवाला देता है। जबकि यह सुझाव दिया गया है कि शहरों और गांवों को अलग किया गया था क्योंकि शहरों में दीवारें थीं और गांवों में नहीं, जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, यह हमेशा मामला नहीं था, हालांकि यह संभवतः आदर्श था।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह मॉडल दिखाता है कि बाइबिल के गांव किस तरह से उपग्रह समुदायों के रूप में काम करेंगे, जिससे किसानों को अपने खेत के हिस्से से उचित दैनिक पैदल दूरी के भीतर रहने की अनुमति मिलेगी, कम से कम शांति के समय में। इस प्रकार, एक

शहर के प्रभाव के क्षेत्रों में इन छोटे गांवों या गांवों में से कई शामिल होंगे जो बड़े शहर के केंद्र को घेरे हुए हैं। यदि शहर वास्तव में दीवारों से घिरे होते, तो अशांति के समय, ये किसान सुरक्षा के लिए वहां भाग सकते थे।

हालाँकि, शहर का एक और बुनियादी कार्य यह प्रतीत होता है कि ये बड़े जनसंख्या केंद्र वाणिज्यिक विकास के लिए स्थान प्रदान करते हैं जहाँ कुशल कारीगर और कारीगर अपनी दुकानें खोल सकते हैं और गैर-कृषि करियर पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, और ये एक परिपक्व और जटिल संस्कृति के संकेत होंगे। जैसा कि उल्लेख किया गया है, पिछले अध्ययनों ने प्राचीन इसराइल में जीवन की एक अच्छी तस्वीर प्रदान की है, जो व्यक्तिगत परिवारों और आवासों पर ध्यान केंद्रित करती है। इस अध्ययन के पहले भाग में, हमने उस तस्वीर को विस्तारित किया है ताकि यह जानकारी मिल सके कि परिवार स्थानीय गाँव या शहर की संस्कृति में कैसे फिट बैठता है।

यह विस्तृत चित्र यह सुझाव दे सकता है कि विस्तारित परिवार से परिवार की वंशावली के भीतर दूसरों के लिए सहायता प्रदान करने की अपेक्षा की जाती थी। यह सामाजिक न्याय के संदर्भ में कई प्रश्न उठाता है, जिसे हम अगले भाग में देखेंगे, जिसमें यह भी शामिल है कि टोरा में निर्धारित प्रावधान विशेष रूप से विधवा पर कैसे लागू होते हैं। जबकि विधवा के मामले पर जोर दिया जाता है, एक अनाथ इस तस्वीर में कैसे फिट बैठता है? निवासी विदेशी का प्रश्न अधिक बहस का विषय है। इसके अलावा, तीन समूहों के आसपास की अलग-अलग परिस्थितियों को देखते हुए, उन्हें सामाजिक न्याय के इन शब्दों में नियमित रूप से सामूहिक रूप से एक के रूप में क्यों संबोधित किया जाता है? यह इस तस्वीर और इन सवालों को ध्यान में रखते हुए है कि भाग तीन में, या बल्कि भाग दो में, हम मूल्यांकन करेंगे कि सामाजिक बहिष्कारों के इन तीन समूहों में से प्रत्येक का गठन कैसे हुआ और सामाजिक न्याय प्रावधान उन पर कैसे लागू हो सकते हैं।

लेकिन पहले, दूसरे भाग में, हम सामाजिक न्याय की अवधारणा को देखेंगे और पुराने नियम की सामाजिक न्याय की समझ के साथ अपनी समझ को अलग करेंगे। धन्यवाद।

यह डॉ. माइकल हार्बिन द्वारा प्राचीन इसराइल में सामाजिक बहिष्कार के लिए सामाजिक न्याय पर उनके शिक्षण में है। यह भाग एक है, प्राचीन इसराइल की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।